No. of Printed Pages : 6

MECE–004

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

(MEC)

Term-End Examination

December, 2024

MECE-004 : FINANCIAL INSTITUTIONS AND MARKETS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from both the Sections as per instruction given.*

Section—A

Note : *Answer any* ***two*** *questions from this Section in about* ***500*** *words each.* *2×20=40*

1. Define financial assets. Explain the approaches to analyse risks associated with financial assets.

2. Explain Fisher's hypothesis on money, interest and inflation. Do Indian financial markets support this hypothesis ?

3. Distinguish between the Binomial model and the Black-Scholes model of derivative pricing.

4. Describe the methods of financing by firms. In this context, bring out the major issues regarding capital structure of firms.

Section—B

Note : *Answer any* ***five*** *questions from this Section in about* ***250*** *words each.* *5×12=60*

5. Explain the Arbitrage Pricing Theory.

6. Distinguish between Markov expectations, Adaptive expectations and Relational expectations in the context of financial markets.

7. Explain how an optimum currency area works.

8. What is meant by leverage ? Explain how a firm can benefit by using leverage.

9. What is secondary financial market ? Give a brief account of the structure of secondary financial market in India.

10. Examine the benefits and costs associated with initial public offering.

11. Discuss the role of Securities and Exchange Board of India (SEBI) in the Indian financial market.

12. Write short notes on any *two* of the following :

    (a) Market Segmentation Hypothesis

    (b) Commodity Bargain Markets

    (c) Efficient Market Hypothesis

MECE–004

एम. ए. (अर्थशास्त्र)

(एम. ई. सी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.ई.सी.ई.-004 : वित्तीय संस्थाएँ और बाजार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दोनों भागों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

भाग—क

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए। शब्द-सीमा* ***500*** *प्रत्येक।* *2×20=40*

1. वित्तीय परिसम्पदाओं की परिभाषा दीजिए। इन सम्पदाओं से जुड़ी जोखिमों की विश्लेषण विधियों की व्याख्या कीजिए।

2. मुद्रा, ब्याज और स्फीति पर फिशर की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। क्या भारतीय वित्तीय बाजार इस अवधारणा का समर्थन करता है ?

3. व्युत्पन्न कीमत निर्धारण के द्विपद प्रतिमान एवं ब्लैक–शॉल्ज प्रतिमान में भेद कीजिए।

4. फर्मों द्वारा वित्त संकलन की विधियों का वर्णन कीजिए। इस संदर्भ में फर्म की पूँजी संरचना से जुड़े मुख्य मुद्दों को स्पष्ट कीजिए।

भाग—ख

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए। शब्द–सीमा* ***250*** *प्रत्येक।* *5×12=60*

5. अंतर्पणन कीमत निर्धारण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

6. वित्तीय बाजारों के संदर्भ में मार्कोव प्रत्याशाओं, उपायोजी प्रत्याशाओं और सापेक्ष प्रत्याशाओं के बीच भेद स्पष्ट कीजिए।

7. समझाइए कि एक इष्टतम करेंसी क्षेत्र किस प्रकार कार्य करता है।

8. उद्यामन (उत्तोलन) का क्या अर्थ होता है ? समझाइए कि कोई फर्म उद्यामन द्वारा किस प्रकार लाभ उठा सकती है।

9. द्वितीयक वित्तीय बाजार क्या होता है ? भारत में द्वितीयक वित्तीय बाजार की संरचना का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

10. प्रारम्भिक सार्वजनिक पेशकश से जुड़े लाभों एवं लागतों की समीक्षा कीजिए।

11. भारतीय वित्तीय बाजार में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) बाजार विभाजन अवधारणा

(ख) वस्तु सौदा बाजार

(ग) दक्ष बाजार अवधारणा

× × × × × × ×